R.N.I. No. UPHIN/2023/86842 वर्ष : 02 अंक : 148 लखीमपुर–खीरी, बुधवार 16 अक्टूबर 2024 पृष्ठ – 04 मूल्य – 01

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संज्ञान दृष्टि

एक सम्पूर्ण अखबार

मोबाइल नं0–7080049049 sangyandristinewspaper@gmail.com website-Sangyannews.com twitter-Sangyannews

लखीमपुर–खीरी, दिल्ली एनसीआर के साथ–साथ इंदौर, गौरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखनऊ, अयोध्या, गया (बिहार)

एक नज़र

लखनऊ– यूपी उपचुनाव की तारीखों का एलान, 13 नवंबर को 9 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग, मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर अभी उपचुनाव नहीं होगा, मिल्कीपुर छोड़कर बाकी 9 सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग, कटेहरी, खैर,गाजियाबाद शहर सीट पर 13 नवंबर को वोटिंग, मीरापुर, कुंदरकी, सीसामऊ, फूलपुर में 13 नवंबर को वोटिंग, मिर्जापुर की मझवां, मैनपुरी की करहल सीट पर होगी वोटिंग, 23 नवंबर को यूपी उपचुनाव के नतीजों का होगा एलान।

लखनऊ– दबंगों ने बिना पैमाइश जमीन पर कब्जा किया, सालों से रह रहे लोगों की जमीन पर कब्जा किया, रेडीमेड बाउंड्री बनाकर दबंगों ने जमीन कब्जाई, बिना सक्षम अधिकारी की पैमाइश के जबरन कब्जा, पीजीआई थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव का मामला, पीड़ितों ने पीजीआई पुलिस से लगाई गुहार, पुलिस और प्रशासन के चक्कर काट रहे पीड़ित।

बहराइच– 2 दिन पूर्व दुर्गा पूजा के दौरान हुई हिंसा का मामला, गिरफ्तार 30 लोगों का पुलिस ने कराया मेडिकल परीक्षण, मेडिकल कॉलेज में कराया गया अभियुक्तों का मेडिकल परीक्षण, मेडिकल परीक्षण के बाद अभियुक्तों को भेजा गया जेल,मेडिकल परीक्षण के दौरान भारी पुलिस फोर्स रही मौजूद, हिंसा के बाद हुई थी 30 लोगों की गिरफ्तारी।

अलीगढ़– बाइक सवार ने स्कूटी सवार को मारी जोरदार टक्कर, बुलेट की टक्कर से स्कूटी सवार हुआ गंभीर घायल, बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार युवक को लगी चोट, टक्कर मारने के बाद फरार हुआ बुलेट बाइक सवार, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को भेजा अस्पताल, सिविल लाइन के महेंद्र प्रताप पार्क तिराहे की घटना।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले एग्जिट पोल्स पर आत्मचिंतन की जरूरत, आठ बजे से रुझान दिखाना बेतुका

नई दिल्ली। एग्जिट पोल्स पर हमारा नियंत्रण नहीं है, लेकिन यह चिंतन की जरूरत है कि इसके नमूने का आकार क्या था, सर्वेक्षण कहां हुआ, उसके निष्कर्ष कैसे आए। अगर निष्कर्ष चुनाव नतीजों से मेल नहीं खाते तो किसकी जिम्मेदारी है।

चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र और झारखंड़ विधानसभा चुनावों के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया। महाराष्ट्र में जहां एक चरण में वोटिंग होनी है तो वहीं झारखंड में दो चरणों में मतदान कराने का ऐलान किया गया है। दोनों राज्यों में 23 नवंबर को नतीजें आएंगे। चुनाव कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों द्वारा एग्जिट पोल और रुझानों को लेकर पूछे सवाल पर मुख्य चुनाय आयुक्त ने खुलकर अपनी बात रखी। **'एग्जिट पोल को हम नियंत्रित नहीं करते'**–मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि एग्जिट पोल्स के विषय को हम छूना नहीं चाहते थे, लेकिन चूंकि आप लोग पूछ रहे हैं तो बता देते हैं। एग्जिट पोल्स के जरिए एक अपेक्षाएं तय हो जाती हैं। इससे बहुत बड़ा भटकाव आ जाता है। यह आत्मचिंतन और आत्ममंथन का विषय है। एग्जिट पोल्स पर हमारा नियंत्रण नहीं है, लेकिन यह चिंतन की जरूरत है कि इसके नमूने का आकार क्या था, सर्वेक्षण कहां हुआ, उसके निष्कर्ष कैसे आए। अगर निष्कर्ष चुनाव नतीजों से मेल नहीं खाते तो किसकी जिम्मेदारी है। **'नियमन करने वाली संस्थाएं इस ओर देखेंगी'**–राजीव कुमार ने कहा कि, अब समय आ गया है कि इसका नियमन करने वाली संस्थाएं इस ओर देखेंगी। इससे जुड़ा दूसरा विषय भी महत्वपूर्ण है। मतदान खत्म होने के औसतन तीसरे दिन मतगणना होती है। मतदान के दिन शाम से उम्मीदें लगना शुरू होती हैं। मतगणना के दिन 8:05, 8:10 बजे से रुझान दिखने लग जाते हैं, यह बेतुका है। मेरी पहली मतगणना 8:30 बजे से शुरू होती है। 8:05, 8:10 पर हमने देखा कि इस पार्टी को इतने की लीड। कहीं ऐसा तो नहीं कि एग्जिट पोल को सही साबित करने के लिए इस तरह के ट्रेंड दिखाई देने लग जाते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगे कहा कि, हम 9:30 मिनट पर हम पहले राउंड की काउंटिंग की जानकारी अपडेट करते हैं। वास्तविक रूप से जब नतीजे आना शुरू होते हैं तो ये रुझानों से बेमेल हो जाते हैं और चूंकि ये अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहते तो इसके गंभीर परिणाम होते हैं।

राहुल उत्तर भारत लौट आये, अब वायनाड में प्रियंका के जरिए कांग्रेस केरल की सत्ता में आने का मौका तलाश रही

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2019 के उद्घोष के वक्त जब राहुल ने बड़े बेमन से 'हम सब मिलकर भाजपा को हराएंगे' कहा था तो न तो राहुल को और न ही कांग्रेस को और न ही देश को यह उम्मीद थी कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मोदी को हरा देगी। लेकिन यह सबको लग रहा था कि वो पहले से बेहतर प्रदर्शन करेगी। लेकिन राहुल आज तक कोई चुनाव नहीं जीतने वाली स्मृति ईरानी के हाथों अमेठी तक गंवा बैठे तो उनकी साख और साहस दोनों ने जवाब दे दिया। फिर ऐसा लग रहा था कि राहुल गांधी दक्षिण भारत की राजनीति पर ही फोकस करेंगे। 2021 के केरल विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों की राजनीतिक समझदारी पर उनका बयान भी ऐसे ही इशारे कर रहा था। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उत्तर भारत का मोर्चा प्रियंका और दक्षिण की कमान राहुल संभालेंगे। लेकिन 2024 के नतीजों ने सारे समीकरण ही बदल कर रख दिए। अब राहुल गांधी उत्तर भारत लौट आये हैं और प्रियंका की दक्षिण की राजनीति में एंट्री हो सकती है।

क्या वायनाड से लड़ेंगी प्रियंका– मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने घोषणा की कि वायनाड लोकसभा उपचुनाव 13 नवंबर को होगा। वायनाड एकमात्र संसदीय क्षेत्र है जहां 47 अन्य विधानसभा क्षेत्रों के साथ उपचुनाव कराए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है और उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर है। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी और नतीजे भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने के पक्ष में वायनाड लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद वायनाड में उपचुनाव हो रहे हैं। इस सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की उम्मीद है। यह प्रियंका का चुनावी डेब्यू होगा।

2026 विधानसभा चुनाव पर भी नजर–कांग्रेस के हिसाब से वायनाड में लड़ाई एकतरफा है। लगातार दो लोकसभा चुनाव के नतीजे भी सबूत हैं। कांग्रेस केरल में अगले चुनाव में प्रियंका गांधी के सहारे यूपी जैसा ही प्रयोग करने की सोच रही है। केरल में 2026 में विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं।

यानी कुल दो साल बचे हैं. विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए इतना वक्त काफी होता है। तैयारी तो प्रियंका गांधी के वायनाड के कैंपेन से ही शुरू हो जाएगी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के 10 साल के शासन के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर भी हो सकती है, जिसका कांग्रेस फायदा उठाना चाहेगी।

लखीमपुर खीरी में दशहरा महोत्सव का शुभारंभ डीएम ने किया ऐतिहासिक दशहरा मेले का शुभारम्भ

डीएम बोली, सामाजिक एकता अखण्डता का प्रतीक है दशहरा

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ ईरा श्रीवास्तव संग जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक दशहरा मेला महोत्सव का पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन एवं दीप जलाकर दशहरे मेला का शुभारंभ किया। इसके बाद रामायण संगोष्ठी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरु हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि जनपद खीरी के मुख्यालय पर होने वाला दशहरा मेला यहां का ऐतिहासिक मेला है, जो पिछलें कई दशको से हो रहा है, जहां हर जाति धर्म के लोग मेले का आन्नद लेते है। सामाजिक एकता और अखण्डता का प्रतीक है ये दशहरा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन बड़ा ही पावन होता है। इन कार्यक्रमों के जरिये समाज में एक अच्छा संदेश जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय संस्कृति के उत्थान में सहायक होते है। समाज में एकता, समरसता और बंधुत्व को बढ़ावा देते है। डीएम ने कहा कि मेले में आए हुए नगरवासियों का स्वागत और अभिनंदन है। एसडीएम, तहसीलदार, ईओ, अध्यक्ष ने समय से मेला शुरू कराने के लिए दिन–रात मेहनत की है। काफी दुकाने लग गई है। शेष आज शामतक लग जाएगी। 15 दिन तक चलने वाले इस मेले में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। परिवार और बच्चों के साथ आकर मेले का आनंद उठाएं। इस मेले से बहुत सारे लोगों को रोजगार मिलता है। मेले की आयोजक नगर पालिका को इस मेले के आयोजन से आमदनी और लाभ हो, इसके लिए अध्यक्ष और ईओ कटिबद्ध है। आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं दी।

मेले की व्यवस्थाओ को बनाए चाक चौबन्द :– डीएम–डीएम ने ईओं को मेले में चाकचौबन्द व्यवस्था बनाने रखने के लिए निर्देशित किया। ऐसे समारोह, मेले एवं महोत्सवों में पुलिस विभाग की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें भी भरोसा है कि हमारे जनपद की पुलिस इस कसौटी पर खरी उतरेगी। मेलार्थियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। डीएम ने मेले में निर्वाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था एवं साफ सफाई समेत सभी व्यवथाएं चुस्त दुरूस्त करने के लिए निर्देशित किया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा डा. इरा श्रीवास्तव ने डीएम के मेला आगमन पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से ऐतिहासिक दशहरा मेला महोत्सव का आयोजन हो सका है। उद्घाटन के अवसर पर एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह, तहसीलदार सुशील प्रताप सिंह, सीओ रमेश कुमार तिवारी, ईओ संजय कुमार, मेला अधिकारी अमरदीप मौर्य, सहायक मेला अधिकारी मुरारी लाल, मेला अध्यक्ष मनोज राज, सहायक मेल अध्यक्ष श्वेता शर्मा, पिंकी देवी समेत सभासदगण कोशल तिवारी, कुमदेश शंकर शुक्ला एवं नगर पालिका कर्मचारी तथा पुलिस प्रशासन के लोग मौजूद रहे। ये दशहरा महोत्सव 15 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर 29 अक्टूबर को अतिशबाजी के साथ सम्पन्न होगा।

दशहरा सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक नजर में..–रामायण संगोष्ठी (स्थानीय) 15 अक्टूबर, रामायण संगोष्ठी (आमंत्रित) 16 अक्टूबर, देवी जागरण 17 अक्टूबर, संस्कृत कवि सम्मेलन 18 अक्टूबर, स्कूली बच्चों द्वारा आयोजित कार्यक्रम 19 अक्टूबर, जवाबी कव्वाली 20 अक्टूबर, पंजाबी संगीत सम्मेलन 21 अक्टूबर, स्थानीय संगीत सम्मेलन 22 अक्टूबर, प्रादेशिक कवि सम्मेलन 23 अक्टूबर, अवध संध्या 24 अक्टूबर, भोजपुरी संगीत सम्मेलन 25 अक्टूबर, मुशायरा 26 अक्टूबर, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 27 अक्टूबर, आमंत्रित कलाकारों द्वारा संगीत आमंत्रित 28 अक्टूबर और अतिशबाजी / समापन 29 अक्टूबर।

बहराइच हिंसाः पीड़ित परिवार को सीएम योगी ने दी 10 लाख रुपये की सहायता, आवास व शौचालय स्वीकृत किया

उ0प्र0। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद बहराइच हिंसा में मारे गए युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजन वापस लौट आए हैं। इस दौरान लगभग शाम छह बजे एसडीएम अखिलेश सिंह, डीडीओ राजकुमार समेत अन्य अधिकारी गांव पहुंचे।

सभी ने पीड़ित परिजनों को 10 लाख की सहायता राशि का चेक भेंट किया। साथ ही मुख्यमंत्री आवास व शौचालय का स्वीकृति पत्र भी दिया। एसडीएम ने बताया की ये मुख्यमंत्री की ओर से भेंट किया गया है। परिजनों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल–कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उत्तर प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

दीपावली तक बिजली बिल पर सब्सिडी का मिल सकता है लाभ, वाराणसी में 6.50 लाख हैं घरेलू उपभोक्ता

नई दिल्ली। बिजली के बिल में सब्सिडी दिए जाने के सरकार के फैसले के बाद अब पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम की ओर से इसे अमल में लाने की कवायद शुरू हो गई है। दीपावली तक इसका सीधे तौर पर लाभ मिल सकता है। उपभोक्ताओं को 35 पैसे से लेकर 1.35 रुपये तक प्रति यूनिट का लाभ मिलेगा। इसमें भी अब शहरी इलाके में घरेलू उपभोक्ताओं को अधिकतम 6.50 रुपये प्रति यूनिट और ग्रामीण उपभोक्ताओं को 5.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली का भुगतान करना होगा। जिले में करीब आठ लाख से अधिक बिजली के उपभोक्ता हैं। इसमें करीब 6.50 लाख घरेलू और 2 लाख से अधिक वाणिज्यिक उपभोक्ता हैं। इनमें ढाई लाख घरेलू उपभोक्ता गरीबी रेखा के नीचे यानी बीपीएल की श्रेणी में आते हैं। सरकार ने जो स्लैब बनाया है उसके आधार पर बीपीएल वालों को 3 रुपये प्रति यूनिट बिजली खर्च देना होगा। अन्य घरेलू उपभोक्ताओं (बीपीएल को छोड़कर) में हर माह अगर किसी का बिजली खर्च 150 यूनिट तक है तो उनको 1.35 रुपये प्रति यूनिट की सब्सिडी मिलेगी। इसके साथ ही 151 से 300 यूनिट खर्च पर 85 पैसे प्रति यूनिट और 300 यूनिट से ज्यादा बिजली खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को 35 पैसे प्रति यूनिट की सब्सिडी की राहत देने का फैसला सरकार ने लिया है।

क्या बोले अधिकारी–उपभोक्ताओं को नियमानुसार लाभ मिलेगा। कारपोरेशन स्तर से इस संबंध में आदेश आने के बाद उसे कंप्यूटर में फीड कराया जाएगा। इसके बाद सभी को निर्धारित स्लैब के आधार पर लाभ मिलने लगेगा।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में उतरीं एएनएम

लखीमपुर–खीरी / मोहम्मदी। जिले के स्वास्थ्य उप केंद्रों पर तैनात एएनएम ने ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करना शुरू कर दिया है। सोमवार को मोहम्मदी सीएचसी क्षेत्र की एएनएम ने विरोध कर सीएचसी अधीक्षक डॉ. मयंक मिश्रा को ज्ञापन भी सौंपा।

ग्रामीण इलाके की स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी के लिए महानिदेशक परिवार कल्याण ने नौ अक्तूबर को उप स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात एएनएम को ऑनलाइन हाजिरी लगाने संबंधी निर्देश जारी किया था। इसके बाद सीएमओ ने सभी सीएचसी अधीक्षकों को पत्र जारी कर ऑनलाइन हाजिरी लगवाने को कहा। एएनएम ऑनलाइन हाजिरी लगाने के निर्देशों का विरोध कर रही हैं।

एएनएम ने बताया कि उनके पास टीकाकरण, मातृत्व बैठक, प्रसव कराना, यू–विन फीडिंग, आरसीएच फीडिंग आदि कार्य हैं। उन्हें 15 से 20 किलोमीटर दूर गांव में जाना पड़ता है। पहले उन्हें केंद्र पर आना होगा और फिर क्षेत्रों में जाना पड़ेगा। ऐसे में ऑनलाइन हाजिरी के जरिये उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है।

मैलानी–नानपारा रेलमार्ग पर मंगलवार से चलेंगी चारों ट्रेनें, यात्रियों को होगी सहूलियत

लखीमपुर–खीरी। मैलानी–नानपारा मीटरगेज रेलमार्ग पर मंगलवार से सभी चारों ट्रेनें चलना शुरू हो जाएंगीं। जबकि द्विसाप्ताहिक मैलानी–बिछिया पैसेंजर भी निर्धारित दिनों में चलेगी। रेल संचालन होने से यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

पिछले दिनों हुई बारिश और बाढ़ के पानी के तेज बहाव से मैलानी–नानपारा रेलमार्ग के भीरा और पलिया कलां स्टेशनों के बीच अतरिया क्रॉसिंग के पास रेलपथ का मैटेरियल बह जाने से 60–70 मीटर की दूरी में रेल पटरी हवा में झूल गई थी। इस कारण आठ जुलाई से इस मार्ग पर रेलों का आवागमन ठप चल रहा था। रेलपथ की बहाली के बाद शनिवार की देर शाम रेल संचालन के लिए फिट घोषित होने के बाद रविवार को मैलानी से नानपारा के लिए एक गाड़ी रवाना की गई। सोमवार को मैलानी से दोनों ट्रेनें नानपारा के लिए रवाना हुईं, जबकि नानपारा से एक गाड़ी मैलानी आई।

जनसंपर्क अधिकारी, लखनऊ महेश गुप्ता ने बताया कि मंगलवार से मैलानी–नानपारा–मैलानी के बीच संचालित चारों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से चलेंगीं और शनिवार, रविवार को संचालित होने वाली द्विसाप्ताहिक मैलानी–बिछिया–मैलानी पैसेंजर भी निर्धारित समय से चलेगी।

सम्पादकीय

वन संरक्षण के देसी उपाय

दुनिया में जब से खेती का काम शुरू हुआ होगा तभी से वनों का महत्व इंसान की समझ में आया होगा। खेती का काम मिमी, पानी, गोबर के बिना नहीं चल सकता। गोबर पशुपालन से ही संभव है। पशुपालन तभी तक जिंदा है जब तक जंगल और उसके बीच में चारागाह हैं। पशुओं का गोबर भी अकेला नहीं है। उसमें भी पेड़– पौधों की पनियां जब पशुओं के नीचे बिछाई जाती हैं तभी खाद बनतीहै। इसी तरह पानी भी ग्लेशियर और पेड़ों के बीच से ही आता है जो गांव के किनारे नदियों और अन्य जलधाराओं के रूप में धीरे–धीरे बहकर आगे जा रहा है। इसलिए खेती–बाड़ी, पानी, हवा, मिमी हमारा जीवन है और इसके कारखाने हमारे चारों ओर के जंगल हैं। आदिकाल से ही लोगों ने वन बचाने के लिए वन पंचायतें बनाई हैं। गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाये थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैंकई जगहें, खासकर पहाड़ों में जंगल के रास्ते पर लकड़ी के तराजू बने हुए हैं। जब लोग जंगल से घास, लकड़ी लेकर आते हैं तो वन–पंचायत द्वारा नियुक्त चौकीदार हरेक के बोझ को तौलता है। इसका वजन 70–80 किलोग्राम से अधिक होता है तो वन–चौकीदार बोझ से घास या लकड़ी निकालकर अलग करेगा और जिसके बोझ में कम वजन है उसमें मिला देगा। सभी लोग चौकीदार को हर फसल पर अनाज के रूप में मदद करते हैं। जून से सितंबर के बीच चारागाहों में पशुओं को नहीं भेजा जाता। इन महीनों में नई–नई घास और पौधे जंगल में उगते हैं जिनकी सुरक्षा के लिए लोग पशुओं को घर पर रखकर चारे की व्यवस्था करते थे। ये बातें आजकल स्कूलों में नहीं पढ़ाई जातीं। फलस्वरूप जीवन शैली उस तरह की नहीं है जिससे पर्यावरण स्वस्थ रहे। जीवन को सुखमय बनाने वाली मिमी, पानी, जंगल, हवा पदूषणमुक्त हो। इस बारे में जितना पढ़ रहे हैं उतना ही हमारा प ति के पति विपरीत आचरण सामने आ रहा हैं। ताजुब होगा कि जब न कोई विज्ञान का सिद्धांत था और न कोई पुस्तक और न ही इस तरह की चकाचौंध थी, जैसे कि आज हमारे चारों ओर है, लेकिन मनुष्य ने आदिकाल से ही अपनी खेती–बाड़ी के महत्व के लिए जंगलों का पबंधन करना शुरू कर दिया था।

वर्ष 1815 से पहले जब अंग्रेज यहां आए थे तो लोग अपनी आजीविका के लिए वनों का प्रबंधन करते थे। उदाहरण है कि 1850 तक अंग्रेज फ्रेडरिक विल्सन ने गंगा घाटी के उद्गम में स्थित हर्षिल में रहकर तत्कालीन टिहरी नरेश सुदर्शन शाह से सिर्फ 400 रुपये में शंकु धारी वनों का पमा ले लिया था। उसने वहां के वनों का अंधाधुंध दोहन किया। गंगा घाटी से तमाम पकार की पजाति के पेड़ों को काटकर नदी के बहाव के साथ हरिद्वार और वहां से रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोलकाता तक पहुंचाया गया। विल्सन ने इसकी आड़ में जंगली जानवरों का शिकार भी किया। इसी दौरान वर्ष 1823 में गांव की सीमाओं का भी निर्धारण किया गया था जिससे लोगों के अधिकारों को वनभूमि पर सीमित करने का पयास आरंभ हुआ था। अंग्रेजों ने इसके लिए वर्ष 1865 में पहला वन–अधिनियम बनाया था। इसके बाद सन् 1877 में वनों की सीमाओं को भी निर्धारित करने का काम हुआ। जिसमें मुनारा बनाकर वन–सीमायें तय की गई थीं। इस पक्रिया में खेती की जमीन को छोड़कर संपूर्ण भूमि सुरक्षित वनभूमि के रूप में बदली गई। अंग्रेजों के इसी कानून के कारण वनभूमि पर लोगों को अतिक्रमणकारी मानने का सिद्धांत लागू हुआ, लेकिन अंग्रेजों की इस व्यवस्था के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने विरोध में वनों को आग के हवाले किया। यह घटना 1915–21 के बीच हुई थी। इसके बाद अंग्रेज शासन ने एक शिकायत समिति का गठन कर आरक्षित वनों को श्दर्जा एकश और दर्जा दो में वर्गी त किया। इसमें लोगों के अधिकारों को लौटाने की व्यवस्था की गई। इसके बाद भी 1925 में शिकायत समिति की संस्तुतियों के आधार पर मद्रास पेसीडेंसी के कम्युनिटी फ रेस्ट की तर्ज पर उनराखंड में भी पंचायती वन व्यवस्था को आरंभ किया गया। वर्ष 1931 में वन–पंचायत नियमावली बनाई गई जिसका गठन 1932 में पारंभ हुआ।

उस समय उनराखंड में राजस्व ग्रामों की संख्या 13,739 थी। इसके अंतर्गत दर्जा एक और श्दर्जा दोश के अनुसार आरक्षित वनों के साथ सिविल वनों की भी वन–पंचायत बनाना आरंभ किया गया। सन् 1976 में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 28 के अंतर्गत वन पंचायत नियमावली में संशोधन करके राजस्व विभाग को अधिकार दिए गए। इस संशोधन का बहुत विरोध हुआ। इसके बाद तत्कालीन उनरपदेश सरकार ने वर्ष 1982 में 19 सदस्यों वाली सुल्तान सिंह भंडारी कमेटी बनाई, लेकिन उनके जितने भी संशोधन थे वे स्वीकार नहीं हो सके। वर्ष 1997 में जब दुनिया में निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण का दौर चरम सीमा पर था तब विश्वबैंक की सहायता से संयुक्त वन पबंधन योजना लागू की गई। इसको चलाने के लिए वन–पंचायत नियमावली में संशोधन किये गये। जिसके बाद वन–पंचायतों की स्वायनता को समाप्त करके वन विभाग के अधीन कर दिया गया और वन–पंचायत सरकार की देखरेख में चलने लगी। इससे हक–हुकूक भी पभावित हुए। अनुसूचित जाति के शिल्पकार और अन्य परंपरागत वन–निवासीश जो रिंगाल और अन्य वन–उत्पाद से आजीविका चला रहे थे, बेरोजगार हुए। उन्हें आजीविका का संकट झेलना पड़ा। अब उनराखंड में ही 12 हजार से अधिक वन–पंचायतें हैं जो सरकारी नियम कानून के आधार पर चलती हैं, लेकिन वे अपने जंगल की आग भी नहीं बुझा पाती। इसका कारण है कि वन और खेती सुरक्षा के जो पुश्तैनी नियम–कानून थे वे हाशिए पर चले गए। इसके चलते बंदर और सुअर जैसे जंगली जानवरों से फसल को बचाना और जंगल पालने की पारंपरिक व्यवस्था भी नहीं बच पाई।

आज का राशिफल

मेष वृषभ मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन

मेष :– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तनि एवं सन्तानोत्पनि के लिए पयास सार्थक होंगे।

बृषभ :– शासन–सना कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन :– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से पगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–पतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के पति आपकी महना बढे.गी।

कर्क :– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंह :– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। पयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन पयत्नशील होगा।

कन्या :– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग पाप्त होगा।

तुला :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिक:– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारिया। मन पर पभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में पसन्नता बिखेरेंगे।

धनु :– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण पयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकर :– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभपद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभ :– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के पति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीन :– पुरानी समस्याओं पर बिजय पाप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

भागवत की शताब्दी कथारू खतरा, खतरा, खतरा!

इस दशहरे से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू हो गया। इस मौके पर, आरएसएस के वर्तमान सरसंघचालक, मोहन भागवत के संबोधन से बहुत से लोगों ने अगर, शताब्दी पार के आने वाले वर्षों में आरएसएस की दशा–दिशा के बारे कुछ नया सुनने की उम्ड्डमीद लगा रखी थी, तो उन्हें जरूर निराशा हुई होगी। वैसे आरएसएस के भागवत काल में, जो काफी हद तक देश में मोदी के शासन का काल भी है, आरएसएस ने अपनी पहले की सार्वजनिक रौशनी तथा विशेष रूप से मीडिया से दूरी बनाए रखने की नीति को जिस तरह से बदला है और मीडिया में अपना पक्ष रखने को अपना एक महत्वपूर्ण काम बनाया है, उसके बाद से सरसंघचालक के आरएसएस के स्थापना दिवस यानी दशहरा के परंपरागत संबोधन का, उसकी दिशा के संकेतक का विशेष महत्व जाता रहा है। फिर भी यह किसी ने नहीं सोचा होगा कि शताब्दी संबोधन में संघ पमुख, मोदी राज के क्षमापार्थी बनकर, सिर्फ और सिर्फ उसका बचाव करने की मुद्रा में नजर आएंगे।

बेशक, भागवत के दशहरा भाषण का एक अर्थ यह भी है कि कम से कम इसके बाद, पिछले आम चुनाव में मोदीशाही के फीके पदर्शन, भाजपा के 240 के आंकड़े पर अटक जाने तथा बहुमत के लिए एनडीए के अपने सहयोगियों पर निर्भर होकर रह जाने के बाद से मीडिया में लग रही इस आशय की अटकलों पर पूर्ण विराम लग जाना चाहिए कि आरएसएस, मोदीशाही से नाखुश है, वह मोदीशाही पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहा है, आदि। भागवत के संबोधन से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के मोदीशाही से लोगों की नाराजगी को, उस पर अंकुश लगाने का औजार बनाने या कम से कम उससे असंतुष्ट होने की सारी अटकलें झूठी थीं और आरएसएस पाण–पण से मोदीशाही के साथ खड़ा है। और यह होना ही स्वाभाविक भी था क्योंकि आरएसएस को इसका बखूबी एहसास है कि मोदी राज के कंधों पर चढ़कर ही वह इस स्थिति में पहुंचा है, जहां वह हिंदू राष्ट्र और वास्तव में हिंदू राज के अपने सपने को तेजी से न सही, रेंगकर ही सही, एक वास्तविकता में तब्दील होते देख सकता है। शताब्दी वर्ष में आरएसएस को आंशिक हिंदू राज का गिड्डट देने वाली मोदीशाही के पति, भागवत का इतना तज्ञता ज्ञापन तो बनता भी था! बहरहाल, भागवत कोई साधारण तज्ञता ज्ञापन पर ही नहीं रुक गए हैं। वह मोदीशाही के खिलाफ आम चुनाव में सामने आए और उसके बाद से बार–बार रेखांकित हो रहे, जनता के असंतोष के खिलाफ तलवार बल्कि कहना चाहिए त्रिशूल लेकर मैदान में कूद पड़े हैं। इस त्रिशूल के तीन शूल हैं खतरा, खतरा और खतरा! भागवत सचेत रूप से अपने इस संबोधन के लिए खतरा–कथा का ही चुनाव करते हैं। अपने एक घंटे से लंबे संबोधन में भागवत इसका बखान करते हैं कि कैसे भारत खतरे में हैं, भारत की परंपरा खतरे में है, भारत की संस्कृति खतरे में है, भारत का समाज खतरे में है, भारत का धर्म खतरे में है। और हिंदू शब्द का पयोग किए बिना, सबसे बढ़कर इसका बखान करते हैं कि कैसे हिंदू खतरे में है। भारत में ही नहीं, दुनिया भर में ही और इसके लिए वह बांग्लादेश में हिंदू अल्प संख्यकों के साथ ज्यादतियों के बहाने, हिंदुओं को संगठित करने की महना का बखान भी करते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि खतरे की यह कथा सुनाने में भागवत इस विडंबना पर तनिक भी नहीं हिचकते हैं कि मोदी राज के दस वर्ष में अगर ये खतरे इतने अर्जेंट हो सकते हैं, तो इस राज में आगे ये खतरे और ज्यादा क्यों नहीं बढ़ेंगे? और यह भी बांग्लादेश में अगर हिंदू अल्प संख्यकों के साथ अन्याय, अन्याय है, तो भारत में मोदीशाही में मुस्लिम और ईसाई भी, अल्प संख्यकों के खिलाफ बढ़ता अन्याय, अन्याय क्यों नहीं है, जिसके खिलाफ अल्पसंख्यकों का संगठित होकर पतिकार करना उचित और जरूरी हो! बहरहाल, भागवत की इस खतरा–कथा की धार, अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने में कुछ भी नया नहीं है। यह तो आरएसएस के डीएनए में ही है।

नयी न सही, फिर भी ध्यान देने वाली बात है, इस कथा में समाज के बंटने के खतरे का, जो वास्तव में ह्क्षहदुओं के ही बंटने का खतरा है क्योंकि अल्पसंख्यक तो समाज की उनकी परिभाषा से पहले ही बहिष्त हैं, अपेक्षा त नया पेच। यह पेच है, समाज के दबे–कुचले तबकों की संगठित होती आवाज के खतरे का। आरएसएस के इतिहास के जानकार बखूबी इस बात को जानते हैं कि मुसलमानों के डर की ही तरह, निचली जातियों के उभार का डर, आरएसएस को उसकी घुमड्डी में मिला है बल्कि उसके संगठन की मूल पेरणा रहा है। फिर भी, मोदीशाही को हाल के दौर में दलितों–वंचितों की जिस तरह की मुखरता तथा सक्रिय आलोचना तथा विरोध का सामना करना पड़ा है और जिस तरह जातिगत जनगणना का मुद्दा इस परिघटना के केंद्र में आ गया है, उस पर आरएसएस के सरसंघचालक की खास निगाह रही है। इस सबकी अर्जेंसी जरूर नयी है। बेशक, आरएसएस ने औपचारिक रूप से जाति–आधारित आरक्षण के अपने विरोध को छोड़ दिया है। उसने औपचारिक रूप से यह स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है कि अतीत में दलितों के साथ अन्याय हुआ हो सकता है और इससे उबारने के लिए आरक्षण जरूरी हो सकता है। इसके लिए, वह श्बड़ोंश से खुद हानि उठाकर भी कुछ उदारता की मांग करने के लिए भी तैयार है। लेकिन इन वंचितों का अपने अधिकारों के लिए मुखर होना और बराबरी के अधिकार के आधार पर संगठित होना, उसे हर्गिज मंजूर नहीं है। उसे सबसे बढ़कर इसी में हिंदुओं के बंटने का खतरा दिखाई देता है। यही जगह है जहां भागवत से लेकर मोदी तक, सब एक स्वर से योगी आदित्यनाथ का लगाया नारा दोहराने लगते हैं श्बंटोगे तो कटोगे। मुस्लिमविरोधी गोलबंदी की इससे नंगी पुकार दूसरी नहीं हो सकती है। इसी पुकार की आड़ में मनुवादी–ब्राह्मड्डणवादी आग्रहों को, एकता की पुकार के नाम पर चलाने की कोशिश की जा रही है, जोकि हमेशा से ही आरएसएस का पैंतरा रहा है। लेकिन, आरएसएस के दुर्भाग्य से वर्तमान राजनीतिक–सामाजिक परिस्थितियां उसे आज सामने आकर जातिगत जनगणना तक का विरोध नहीं करने दे रही हैं। इसलिए, जातिगत जन गणना का जिक्र तक किए बिना, उन राजनीतिक परिस्थितियों के बांटने वाला होने का रोना–धोना किया जाता है।बहरहाल, विभाजन का यह रोना सिर्फ सामाजिक रूप से वंचितों की आवाजों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा शासन की हर पकार की आलोचना, उसके हर पकार के विरोध को ही, बंटवारे के खाते में डाल दिया गया है। संघ पमुख के शब्दों में, श्समाज के लिए सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि समाज में विद्यमान भद्रता व संस्कार को नष्टड्ड–भ्रष्ट करने के, विविधता को अलगाव में बदलने के, समस्याओं से पीड़ित समूहों में व्यवस्था के पति अश्रद्घा उत्पन्न करने के तथा असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के पयास बढ़े हैं।

वर्तमान व्यवस्था के पति नागरिकों से राजशाही की पजा जैसी श्रद्घा की मांग करने के साथ ही यह, लोगों की चिंता तथा परेशानियों की सभी आवाजों को, असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के पयासश बनाने की कोशिश है। इतना ही नहीं, भागवत ने इस संकट की अपनी पहचान को, मोदीशाही के राजनीतिक मित्रों–शत्रुओं की पहचान से इस कदर एकरूप कर दिया है कि सभी विपक्ष–शासित राज्य इस चिंता की बात के दायरे में आ जाते हैं। आज देश की वायव्य सीमा से लगे पंजाब, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख समुद्री सीमा पर स्थित केरल, तमिलनाडुय तथा बिहार से मणिपुर तक का संपूर्ण पूर्वांचल, अस्वस्थ है। इस सब के लिए जिम्मेदार आंतरिक शत्रुओं के रूप में कथित वोक, कल्चरल मार्क्सिस्ट आदि के नाम पर, तमाम वामपंथी, पगतिशील तथा जनतांत्रिक ताकतों को तो, संघ ने पहले से ही निशाने पर ले रखा था। इन संज्ञाओं के जरिए संघ अपने इन शत्रुओं को एक वैश्विक लड़ाई के खलनायक बनाने की कोशिश करता है। बहरहाल, आरएसएस के शताब्दी वर्ष में इन शत्रुओं को और भयानक बनाने के लिए, अब इनके साथ डीप स्टेट का नाम और जोड़ दिया गया है। विडंबना यह है कि अक्सर डीप स्टेट की अवधारणा, जनतांत्रिक व्यवस्था के बाहर से, राज्य को संचालित करने वाली जिस तरह की षडयंत्रकारी, सैन्य–अर्द्घ–सैन्य शक्तियों की ओर इशारा करती है, उसकी परिभाषा में वर्तमान दौर में तो सबसे फिट खुद आरएसएस ही बैठता है। बहरहाल, इस सारे रोने–धोने का एक ही मकसद है, मोदी निजाम के खिलाफ लड़ाई में अवाम को पूरी तरह से निरस्त्र करना। तभी तो मौजूदा निजाम निश्चिंतता से, मेहनतकश अवाम की कीमत पर, उन इजारेदार पूंजीपतियों और उनके देसी–विदेशी सहयोगियों की सेवा करता रह सकता है, जिनके स्वार्थों की अब तक सेवा करता आ रहा था। वर्ना पिछले आम चुनाव ने दिखा ही दिया है कि किस तरह, सांपदायिकता के हथियार के सहारे मेहनतकशों को बांटने की उसकी सारी कोशिशें, अवाम की अपने वास्तविक हितों की पहचान के सामने, भोंथरी साबित हो रही हैं। ठीक इसी मुकाम पर संघ अब मोदीशाही का खुलकर बचाव करने के लिए कूद पड़ा है। आरएसएस की स्थापना के शताब्दी वर्ष का भारत के लिए एक सुफल यह भी है कि आरएसएस और मोदीशाही के बीच जो एक झीना सा पर्दा अब तक बनाए रखा जाता था, अब वह भी हट गया है। जो मोदीशाही है, वही आरएसएस है। जो आरएसएस है, वही मोदीशाही है। इस मिथ्या–द्वैध का हटना ही सरसंघचालक मोहन की, नयी भागवत का हासिल है।

दागदार खेवनहार

राजनीति में धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनपतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता। आर्थिक आंकड़ों से खेलने वाली एक पूरी बिरादरी स्याह को श्वेत बनाने के खेल में पारंगत होती है। फिर करोड़पति की कोई सीमा नहीं कि उसकी संपनि कितने करोड़ों में है। रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिये मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिये भी आत्ममंथन का समय है कि पत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जिताने लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी–बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता पत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन–सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिये कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे–छोटे पलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्टद्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का पयोग कर सके। बहरहाल, करोड़पतियों के जनपतिनिधि संस्थाओं में वर्चस्व का एक निष्कर्ष साफ है कि आम आदमी के लिये चुनाव लड़ना अब दूर की कौड़ी बन गई है। यह कथन अब किताबों तक सीमित रह गया है कि जनतंत्र जनता द्वारा, जनता का और जनता के लिये होता है। कहा जाता है कि आजादी के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान का एक विधायक ऐसा भी था, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये टिकट के पैसे तक नहीं थे। तब लोगों ने उनकी मदद की। बहरहाल, हमें स्वीकार करना होगा कि भले ही राजनीति में अब धनबल व बाहुबल अपरिहार्य हो, लेकिन इस स्थिति के लिये जनमानस भी कम जिम्मेदार नहीं है। हम सोचें कि क्षेत्रवाद,संपदायवाद, जातिवाद और छोटे–छोटे पलोभनों के लिये हम ऐसे पत्याशियों को जनपतिनिधि संस्थाओं में क्यों भेज देते हैं, जो वहां जाने लायक ही नहीं होते। कहीं न कहीं यह हमारे सामाजिक मूल्यों के पराभव का पमाण भी है। जब कहते हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा होने का गौरव रखते हैं, तो यही बड़प्पन हमारे लोकतांत्रिक व्यवहार में दिखायी देना चाहिए। हमें अपने बेशकीमती वोट के दायित्व का बोध भी होना चाहिए। उसकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र पर दागी और धनाढ्य लोगों का वर्चस्व स्थापित न हो। हम ध्यान रखें कि जब करोड़पतियों के हाथ में सना की बागडोर आती है तो उनकी संपनि अगले चुनाव तक दिन दूनी–रात चौगुनी गति से बढ़ती है। ऐसे जनपतिनिधियों का लक्ष्य अपने लिये ही नहीं बल्कि आने वाली सात पीढ़ियों के लिये धन–संपदा जुटाना होता है। जिसमें हमारी जरूरतों को पूरी करने वाली व्यवस्था के लिये आवंटित धन तथा अनैतिक तौर–तरीकों से जुटाया पैसा भी शामिल होता है। जो भ्रष्टाचार की अंतहीन शृंखला को जन्म देता है। दरकते पुलों, धंसती सड़कों, बीमार अस्पतालों तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार की परिणति के रूप में देखा जा सकता है।

खाना खजाना / सेहत / ब्यूटी

नाश्ते में सेहत से भरपूर गेहूं के आटे का डोसा झटपट से बनाएं, नोट करें आसान रेसिपी

आमतौर पर गृहणी परेशान रहती है कि आज घर में क्या बनाएं। नाश्ते से लेकर रात के डिनर तक यही सवाल बना रहता है कि क्या बनाएं। अगर आप भी नाश्ते के लिए कुछ हटके तलाश कर रहे हैं। तो आप नाश्ते में डोसा बना सकते हैं, अब आपके जहन में यहीं सवाल आ रहा होगा कि इसमें नया क्या है? आप ने ट्रेडिशनल डोसा उड़द की दाल और चावल वाला जरुर खाया होगा। लेकिन आपने आटा का डोसा नहीं खाया होगा। इसे आप गेहूं के आटे से तैयार कर सकते हैं और चाटनी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

गेहूं के आटे का डोसा के लिए

सामग्री–

– 2 कप गेहूं का आटा
– 4–5 कप पानी
– 1 चम्मच नमक या स्वादानुसार
– 2 चम्मच घी
– स्वादानुसार नमक
– 2 चम्मच चावल का आटा
– 1/4 छोटा चम्मच जीरा
– 2 बड़े चम्मच बारीक कटी प्याज
– 1 चम्मच दही
– करी पत्ते
– आधा छोटा चम्मच कद्दूकस किया अदरक
– 2 से 3 हरी मिर्च

गेहूं के आटे का डोसा कैसे बनाएं?–

–गेहूं के आटे में नमक अच्छी तरह से मिला लें फिर इसमें चावल का आटा मिक्स करें। – अब इसमें दही और थोड़ा–थोड़ा पानी डालें और बैटर को धीरे–धीरे तब तक मिलाएं जब तक कि गाढ़ापन दिखने न लगे तो पानी डालें। इस बैटर की कंसिस्टेंसी थोड़ी पतली होती है। इसे गेहूं के डोसा बैटर में करी पत्ता, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, जीरा डालें, इससे अच्छे से मिला ले।
– अब तवे को गर्म करें और एक बड़े चम्मच से बैटर डालें। तवे को बैटर से भर दें और फिर गैस को मध्यम–धीमी रखते हुए डोसे को पकाएं।
– डोसे के ऊपर आप घी की कुछ बूंदें डालें और धीरे से पलट दें। अब दूसरी तरफ से भी थोड़े सेक लें और फिर चटनी के साथ सर्व करें। चाहें तो डोसे में पनीर की फिलिंग भर दें।

उमर अब्दुल्ला के शपथ में दिखेगा इंडिया ब्लॉक का दम, इन नेताओं के शामिल होने की संभावना

जम्मू–कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला 16 अक्टूबर को जम्मू–कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को मनोनीत सीएम को एक पत्र भेजकर उन्हें शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया। ऐतिहासिक शपथ समारोह में इंडिया ब्लॉक, एनसी और अन्य दलों वाले विपक्षी मोर्चे के कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है, जिनमें से अधिकांश के आज पहुंचने की उम्मीद है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे, एनसीपी–एससीपी सांसद सुप्रिया सुले, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन की बहन कनिमोझी करुणानिधि, सीपीआई नेता डी राजा, सीपीआई (एम) नेता बृंदा करात शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। वहीं, घटनाक्रम से अवगत लोगों ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर जम्मू–कश्मीर पहुंचेंगे। शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसे महाराष्ट्र और झारखंड में प्रमुख विधानसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक एकता प्रदर्शित करने के एक कदम के रूप में देखा जा सकता है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जनता को हमसे बहुत उम्मीदें हैं और मुझे उम्मीद है कि हम उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। केंद्र सरकार को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए और सभी शक्तियां राज्य सरकार को देनी चाहिए ताकि वह (राज्य सरकार) जनता को राहत प्रदान करें।

एक गौरवान्वित अतीत, एक आशाजनक भविष्यः एस एम सहगल फाउंडेशन की ग्रामीण सशक्तिकरण की 25वी वर्षगांठ

गुरुग्राम। एस एम सहगल फाउंडेशन (गैर सरकारी संगठन) ने अपनी 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित अपने ग्रीन बिल्डिंग कार्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। वर्ष 1999 में एक सार्वजनिक चौरिटेबल ट्रस्ट के रूप में स्थापित एस एम सहगल फाउंडेशन ग्रामीण भारत में सकारात्मक सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय बदलाव के लिए सामुदायिक नेतृत्व को विकसित करने का कार्य कर रही है ताकि ग्रामीण अंचल का हर व्यक्ति सुरक्षित व समृद्ध जीवन जी सके।

इस कार्यक्रम में शैक्षिक व कॉर्पोरेट पार्टनर जो फाउंडेशन के साथ वर्षों से कार्य कर रहे है शामिल हुए। पिछले 25 वर्षों में फाउंडेशन की उपस्थिति भारत के 12 राज्यों के 66 जिलों के 2,658 से अधिक गांवों में है। एस एम सहगल फाउंडेशन के ट्रस्टी, जय सहगल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया, और कहा कि "फाउंडेशन की लगातर सफलता का श्रेय हमारी प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध टीम, भागीदारों की कड़ी मेहनत को समर्पित है। इस विशेष अवसर पर हम समुदायों का आभार व्यक्त करते है जिनके सहयोग से हम लगातार ग्रामीण भारत की प्रगति और विकास में मिलकर साझदारी निभा रहे है।"

एस एम सहगल फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और ट्रस्टी "सुश्री अंजलि मखीजा ने फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्रमों का अवलोकन प्रदान किया जो जल प्रबंधन, कृषि विकास, स्थानीय भागीदारी और स्थिरता, ट्रांसफॉर्म लाइव्स (ऑन स्कूल एट ए टाइम), और डिजिटल और जीवन कौशल जागरूकता सहित ग्रामीण भारत की सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों को संबोधित करते हैं। इसी के साथ ग्रामीण समुदायों को सशक्त व शिक्षित करने तथा उनके साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के लिए सामुदायिक मीडिया, नवाचार, प्रभाव और स्थिरता के माध्यम से सूचना प्रसार के लिए फाउंडेशन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।"

एस एम सहगल फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सूरी सहगल ने साझा किया कि "हमारे काम ने हमें सिखाया है कि सही विकास केवल संसाधन प्रदान करने मात्र में नहीं है, बल्कि समुदायों के भीतर स्वामित्व और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में है। हमने सामुदायिक नेतृत्व पहल की भावना को प्रत्यक्ष रूप से देखा है और यह तब ही संभव है जब समुदायों को अपने सकारात्मक विकास हेतु जरूरी साधन और समर्थन प्रदान किया जाता है।" कार्यक्रम में फाउंडेशन की 25 साल की यात्रा और उपलब्धियों पर आधारित एक विडियो तथा कॉफी टेबल बुक का अनावरण किया गया। इस अवसर पर डिजिटल प्रदर्शनी के माध्यम हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में फाउंडेशन के विभिन्न साझेदारों के साथ कार्यो को दिखाया गया। एस एम फाउंडेशन समुदायों को साथ लेकर कार्य करने में विश्वास रखता है ताकि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए जा सके।

सीएम योगी से मिले विधायक योगेश वर्मा, थप्पड़ मारने वाले चार कार्यकर्ता भाजपा से बर्खास्त

लखीमपुर–खीरी। लखीमपुर सदर से भाजपा विधायक योगेश वर्मा की पिटाई के मामले में चार कार्यकर्ताओं को पार्टी से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की निवर्तमान अध्यक्ष पुष्पा सिंह, उनके पति व पार्टी के सक्रिय सदस्य अवधेश सिंह समेत जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की पूर्व सह संयोजक ज्योति शुक्ला शामिल हैं। अवधेश सिंह जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भी हैं।

सोमवार को विधायक योगेश वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिलकर उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। विधायक के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने आरोपियों पर कार्रवाई से संबंधित पत्र जारी किया।

बता दें कि नौ अक्तूबर को लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के डेलीगेट चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसमें गड़बड़ी की शिकायत पर विरोध दर्ज कराने पहुंचे विधायक योगेश वर्मा की पुलिस के सामने ही पिटाई कर दी गई थी। घटना के वायरल वीडियो में अवधेश सिंह विधायक को थप्पड़ मारते नजर आए थे।

विधायक ने दी थी लिखित शिकायत–विधायक की ओर से अवधेश सिंह, पुष्पा, अनिल यादव और ज्योति शुक्ला पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से लिखित शिकायत की गई थी। इसके आधार पर प्रदेश महामंत्री ने 10 अक्तूबर को मारपीट के आरोपी सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा था। इसके बाद पार्टी ने सभी आरोपी कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

सीएम व विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर बताया पूरा घटनाक्रम–थप्पड़ कांड से आहत विधायक योगेश वर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर पूरे प्रकरण की जानकारी दी। इस दौरान विधायक ने सीएम को पुलिस पर भी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। विधायक ने बताया कि सीएम के ही निर्देश पर प्रदेश नेतृत्व ने मारपीट करने वाले कार्यकर्ताओं को पार्टी से बर्खास्त करने की कार्रवाई की। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उनके अनुसार, सीएम ने यह भी आश्वासन दिया है कि विवेचना के बाद और धाराएं बढ़ा दी जाएंगी।

इससे पहले विधायक ने कई विधायकों के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिलकर घटना की जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, वे इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष के स्तर से भी कार्रवाई चाहते थे। अधिकारियों का कहना है कि यह मामला विधायक और निजी व्यक्ति से संबंधित होने के कारण प्रोटोकॉल के अंतर्गत नहीं आता है।

होटल ही नहीं इन जगहों पर भी हो सकता है आधार कार्ड का मिसयूज, आईडी शेयर करने से पहले कर लें यह काम

नई दिल्ली। आधार कार्ड हमारे लिए अहम डॉक्यूमेंट है। इसके गलत इस्तेमाल की वजह से भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल होटल ही नहीं कई और जगहों पर हो सकता है। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल के कई मामले पिछले दिनों सामने आए हैं। यह केवल एक आईडी नहीं है बल्कि हमारी जरूरत बन गया है। बैंक अकाउंट ओपन करने से नया सिम कार्ड खरीदने तक के लिए आपको आधार कार्ड की जरूरत होती है। इसके गलत इस्तेमाल की वजह से आपक भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

होटल में कमरा बुक करना हो या ट्रेन या फ्लाइट की टिकट बुक करनी हो, हमें आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। इन जगहों पर हम धड़ल्ले से अपना आधार कार्ड शेयर कर देते हैं और इसके मिसयूज के बारे में नहीं सोचते हैं। हालांकि, यह गलती काफी भारी पड़ सकती है। आधार कार्ड की जानकारी चोरी करके आपके बैंक अकाउंट से पैसे निकाले जा सकते हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें हैकर्स आधार कार्ड की जानकारी चुराकर लोगों को लाखो की चपत लगा चुके हैं। अगर, आप भी नहीं चाहते हैं कि आपके साथ भी ऐसा हो तो आपके कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कहीं भी आधार कार्ड को शेयर न करें। अगर, करना जरूरी है तो आप मास्क्ड आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें आपका आधार नंबर शेयर नहीं होता है। इसके अलावा आप अपने आधार कार्ड के बायोमैट्रिक को लॉक कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। बायोमैट्रिक लॉक होने की वजह से झल्ब वेरिफिकेशन पूरी नहीं होगी और आपकी आइडेंटिटी सुरक्षित रह सकती है।

ऐसे लॉक करें अपना आधार कार्ड–इसके लिए आपको सबसे पहले यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाना होगा। यहां जाकर आप अपनी पसंद की भाषा का चुनाव करें और अगले पेज पर जाएं। फिर आपके पास न्फ्ए वेबसाइट का होम पेज ओपन होगा। वहां नीचे स्क्रॉल करने पर आधार कार्ड सर्विस का ऑप्शन मिलेगा। यहां नीचे की तरफ दिखाई देगा।

अभिनेत्री अनन्या पांडे फैशन डिजाइनर रोहित बल के लिए रैंप वकिं कर हुई भावुक

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दिग्गज फैशन डिजाइनर रोहित बल के लिए रनवे पर वकिं किया। बल ने स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण एक साल के ब्रेक के बाद कैटवॉक पर वापसी की है। उन्होंने इस अनुभव को भावनाओं से भरा फैशन ड्रीम बताया। रोहित बल के शो के ग्रैंड फिनाले की शोस्टॉपर अनन्या ने इंस्टाग्राम पर डिजाइनर के सिग्नेचर वेलवेट ब्लैक लहंगे में कई तस्वीरें पोस्ट कीं जिस पर कढ़ाई कर गुलाब उकेरे गए थे। उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, रोहित बल के साथ और उसके लिए वकिं करना एक फैशन ड्रीम जैसा है जो इतनी भावनाओं से भरा है और अपने परिवार लैक्मे फैशनवीक के साथ वापस आना हमेशा मजेदार होता है। कमल और मोर की आस्त्रतियों के इस्तेमाल के लिए मशहूर बल को हृदय संबंधी पुरानी समस्या के चलते पिछले साल गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें साल 2010 में दिल का दौरा पड़ा था। बताया जाता है कि उनकी हालत गंभीर थी और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, यह घोषणा की गई थी कि अभिनेत्री 'सो पॉजिटिव पडिंकास्ट' के साथ पॉडकास्ट की दुनिया में शामिल हो गई हैं, जिसका उद्देश्य डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस करना है। मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के बारे में बात करते हुए अनन्या प्राजक्ता कोली, सुमुखी सुरेश, यशराज मुखाटे, अंकुश बहुगुणा और बेयूनिक जैसे कुछ बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ बातचीत करती नजर आएंगी।

प्रत्येक एपिसोड में रचनाकारों की गहन चर्चाएं और व्यक्तिगत कहानियां होंगी, जो श्रोताओं को आज की हाइपरकनेक्टेड दुनिया में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां प्रदान करेंगी। 'सो पॉजिटिव पडिंकास्ट' का पहला एपिसोड 15 अक्टूबर को आएगा।

इससे पहले, अभिनेत्री ने फ्रांस की राजधानी में एक फैशन कार्यक्रम में भाग लिया, और पेरिस में अपनी सैर की कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए। अभिनय के मोर्चे पर अनन्या को स्क्रीनलाइफ थ्रिलर सीटीआरएल में देखा गया था, जो एक लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जोड़े के इर्द–गिर्द घूमती है। कहानी बताती है कि कैसे एक एआई ऐप का उपयोग कंप्यूटर और सोशल मीडिया पर डिजिटल अस्तित्व को मिटाने के लिए किया जाता है और कैसे एआई का निर्माता चोरी–छिपे डेटा को नियंत्रित करना शुरू कर देता है।

थप्पड़ कांडः तहरीर के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, भाजपा विधायक ने सुरक्षा लौटाई, समर्थकों में बढ़ रहा आक्रोश

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में नौ अक्तूबर को अर्बन कोआपरेटिव बैंक में डेलीगेट पद के नामांकन के दौरान सदर से भाजपा विधायक योगेश वर्मा की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, तहरीर के बाद भी कार्रवाई न होने से नाराज विधायक ने बढ़ाई गई पुलिस सुरक्षा वापस कर दी है। इससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि, एसपी गणेश प्रसाद साहा ने ऐसी किसी भी जानकारी से इन्कार किया है। रविवार को इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसमें एएसपी पूर्वी और सीओ विधायक के घर से वापस आते दिखाई दे रहे हैं।

बीते बुधवार को चुनाव प्रक्रिया के दौरान जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने सदर विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ मार दिया था। खबर मिलते ही समर्थकों में आक्रोश फैल गया था और करीब छह घंटे तक बैंक के बाहर खीरी रोड पर हंगामा चला था।

घटना के तीसरे दिन शुक्रवार को हजारों की संख्या में एकत्र हुए विधायक के समर्थकों ने जमकर हंगामा और डीएम कार्यालय का घेराव किया था। एसपी गणेश ने आक्रोशित समर्थकों को शांत कराते हुए दो दिन में कार्रवाई किए जाने की बात कहते हुए प्रदर्शन समाप्त कराया था।

बढ़ता जा रहा समर्थकों में आक्रोश–कार्रवाई न होने से नाराज विधायक के समर्थकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। भले ही पुलिस–प्रशासन सुरक्षा वापस दिए जाने का मामला संज्ञान में न होने की बात कह रहा हो, लेकिन विधायक के करीबी पुष्टि कर रहे हैं। समर्थकों का कहना था कि विधायक योगेश वर्मा ने अपनी सुरक्षा में तैनात सिपाही विक्की सागर और मुकेश को वापस कर दिया है। आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस मामले में कई समर्थकों ने सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में ये भी लिखा है कि सोमवार को सदर विधायक मुख्यमंत्री से मिलेंगे, जिसके बाद कोई निर्णय होगा। सूत्र बताते हैं कि विधायक लखनऊ रवाना हो गए हैं।

केरल गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद अभिनेता बाला को मिली जमानत

मुंबई। जुवेनाइल जस्टिस हकेयर एंड प्रोटेक्शन अफिं चिल्ड्रन एक्ट में गिरघ्तार दक्षिण भारत के लोकप्रिय अभिनेता बाला को एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को जमानत दे दी। बाला की जमानत याचिका एर्नाकुलम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष आई। कुछ सख्त शर्तों पर उन्हें जमानत दे दी गई। उन्हें विशेष रूप से निर्देश दिया गया है कि वह मामले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे। उन्हें मीडिया से भी बात करने की अनुमति नहीं होगी। 41 वर्षीय अभिनेता अपनी पत्नी से 2019 में अलग हो गए थे। उनकी पूर्व पत्नी टीवी शो की एक लोकप्रिय गायिका हैं। दोनों ने 2010 में शादी की थी। शादी के कुछ साल बाद ही उनके रिश्ते में खटास आ गई और 2015 से दोनों सार्वजनिक रूप से भी लड़ते रहे हैं। अभिनेता के खिलाफ नवीनतम मामला उनकी पूर्व पत्नी ने गत 12 अक्टूबर को कोच्चि के कदवंतरा थाने में दर्ज कराया था।पुलिस ने तुरंत उनकी पूर्व पत्नी और उनके बच्चे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मामला दर्ज किया और बाला को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा। जब वह पेश नहीं हुए तो पुलिस सोमवार सुबह उनके घर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया और बाद में उनकी गिरफ्तारी दर्ज की गई। इस बीच बाला के वकील ने कहा कि पूरा प्रकरण एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है और वह कानून के अनुसार आगे बढ़ेंगे। भले ही वे अलग हो गए हों, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में दोनों के बीच कुछ ऐसा हुआ जिससे तीखी नोकझोंक हुई। यह तब शुरू हुआ जब उनकी बेटी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें बताया गया कि अभिनेता बाला उसे परेशान कर रहे थे। हालांकि, बाला ने इस बात से इनकार किया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि यह उनका सबसे दर्दनाक अनुभव था।

बाला एक बेहद लोकप्रिय फिल्मी परिवार से आते हैं, जहां उनके पिता और दादा प्रमुख हस्तियां हैं और वे अरुणाचल स्टूडियो के मालिक हैं। बाला ने 2002 में तेलुगु फिल्म से अपनी शुरुआत की और मलयालम फिल्म उद्योग सहित दक्षिण भारतीय फिल्मों में बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने 2012 की मलयालम एक्शन फिल्म द हिटलिस्ट से निर्देशन में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। बता दें कि पिछले साल अभिनेता ने लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी करवाई थी।

शरद पूर्णिमा पर गीता मंदिर में आयोजित कृष्ण लीला एवं डांडिया कार्यक्रम

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। आज नगर के गीता मंदिर की आई के एम जी शाखा द्वारा शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर खत्री समाज की बहनों के संग कृष्ण लीला एवं डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत आई के एम जी की संरक्षक सविता चोपड़ा और अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं जाति गान गाकर की गई, जिसमें सभी ने प्रभु श्री राम के चरणों में पुष्प अर्पित कर नगरवासियों के लिए मंगलकामनाएं की।

कार्यक्रम में रश्मि महेन्द्र, कविता शेखर, अंजुल जलोटा, श्वेता धवन एवं संगीता पुरी द्वारा जाति गान प्रस्तुत किया गया। इसके बाद श्रीकृष्ण लीला के मंचन के साथ उपस्थित सदस्यों ने भक्ति गीतों की करतल ध्वनि पर डांडिया का आनंद लिया। वहीं कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यक्षा अंजुल जलोटा और पूर्व अध्यक्षा सपना कक्कड़ एवं राखी चोपड़ा द्वारा किया गया। सभी ने रंगारंग कार्यक्रम का आनंद उठाया, जिसमें स्वादिष्ट पकवानों का भी आनंद लिया गया। कार्यक्रम का समापन मिठास के रूप में मीठी खीर एवं सभी उपस्थित सदस्यों को सुहाग का सामान भेंट करके किया गया। इस विशेष अवसर पर आरती चोपड़ा, तनु महेन्द्र, ज्योति शेखर, रुचि खन्ना, प्रियंका खन्ना, मीता टंडन, सपना कक्कड़ और राखी चोपड़ा जैसे अनेक प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

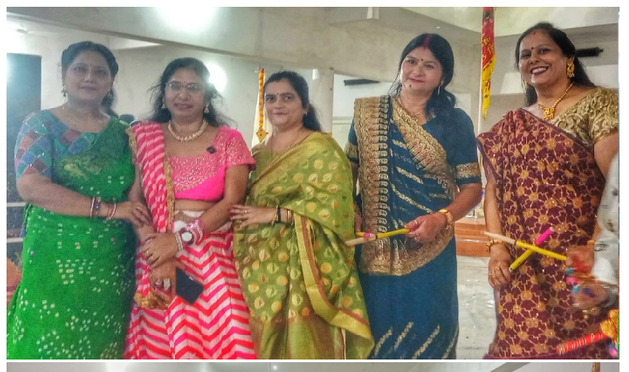

एक नज़र

मैनपुरी– रिटायर्ड फौजी के खाते से उड़ाये साइवर ठगों ने लाखों रुपए, साइबर ठगों ने पीड़ित के खाते से उड़ाये लाखों रुपए, पीड़ित जगजीत ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, पीड़ित के खाते से ठगों ने 6 लाख 60 हजार रुपए उड़ाये, साइबर ठगों ने केवाईसी के नाम पर मांगी थी ओटीपी, पीड़ित जगजीत के ओटीपी बताते ही उड़ा दिए रुपए, पूरा मामला थाना दन्नाहार के ग्राम देवमई की घटना।

सीतापुर– 8 वर्षीय मासूम के साथ 20 वर्ष के युवक ने किया दुष्कर्म, बच्ची का मुंह दबाकर दुष्कर्म कर रहा था युवक– परिजन, दुष्कर्म के चलते बेसुध हुई मासूम, हालत हुई गंभीर, मासूम को मेडिकल परीक्षण हेतु जिला मुख्यालय भेजा गया, बच्ची को मेला दिखाने के बहाने घर से ले गया था आरोपी, प्राथमिक विद्यालय के पीछे दिया वारदात को अंजाम, आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज, सीओ ने शुरू की जांच–पड़ताल, महोली सर्किल में पिसावां थाना क्षेत्र का मामला।

झांसी– नर्सिंग छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप, राघवेंद्र हॉस्पिटल की छात्रा ने मैनेजर पर लगाया आरोप, किसी को बताने पर करियर खराब करने की दी धमकी–पीड़िता, पुलिस पर मुकदमा दर्ज करने में देरी का आरोप, फिलहाल आरोपी मैनेजर डेविड हिरासत में लिया गया, झांसी के प्राइवेट राघवेंद्र हॉस्पिटल का मामला।

बरेली– खेत मे हो रहे अवैध निर्माण की सूचना पर पहुंची पुलिस, अवैध निर्माण को रुकवा कर युवक को हिरासत में लिया, हिन्दू संगठन की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस, मजार बनाने के लिए लोगो से चंदा किया था एकत्रित, सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनईया रानी गांव का मामला।

मेरठ– किसानों के मुद्दे पर मेरठ में होगी महापंचायत, 23 अक्टूबर को कमिश्नरी पर जुटेंगे हजारों किसान, 14 जिलों के किसान मेरठ महापंचायत में होंगे शामिल, बकाया गन्ना भुगतान से किसान हैं काफी नाराज, ट्यूबवेल पर बिजली मीटर लगने से किसान आक्रोषित, अनदेखी पर किसानों ने आंदोलन की दी चेतावनी, प्रेसवार्ता कर किसान नेता ठाकुर पूरन सिंह ने दी जानकरी।

मऊ– गोपालको से अवैध वसूली करने वाले तीन अरेस्ट, तीनों सदस्यों को सराय लखनसी पुलिस ने किया गिरफ्तार, दुधारू पशुओं को रास्ते में रोककर डरा कर करते थे वसूली, पशुपालक द्वारा शिकायत करने पर हरकत में आई पुलिस, गिरोह के दो सदस्य हुए मौके से फरार, नगर क्षेत्राधिकारी ने दी घटना की जानकारी, मऊ के थाना सराय लखनसी अंतर्गत की पूरी घटना।

यदि आप संज्ञान दृष्टि पर कोई विज्ञापन देना चाहते है या किसी अन्य प्रकार के व्यावसायिक अनुबंध के इच्छुक है तो हमे sangyandristinewspaper@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं। व्हाटसएप नम्बर +91–7080049049

व्हाट्सएप पर सम्पर्क के लिए
70800–49049
95824–49049
Website : www.sangyannews.com
sangyandrsitinewspaper@gmail.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक प्रांजल श्रीवास्तव द्वारा मंजुला आफसेट, काशीनगर, लखीमपुर–खीरी से मुद्रित तथा 132/2 काशीनगर चोपड़ा इंडस्ट्री लखीमपुर–खीरी, उ0प्र0 से प्रकाशित

सम्पादक– प्रांजल श्रीवास्तव

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

नवरात्रि पर रात्रि में महिलाओ ने किया डांडिया नृत्य

मुकेश शर्मा

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। नवरात्रि के पर्व पर महिलाओं में डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर मां दुर्गा की आस्था में नाचती और झूमती दिखी। इस दौरान गरबा क्वीन कंपटीशन भी किया गया। जिसमें दीप्ति सिंह मोंगा ने पहला स्थान, ममता यादव ने दूसरा स्थान और रश्मि त्रिवेदी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान महिलाओं ने मां दुर्गा को याद करके जमकर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया । खुशी सेवा संस्थान द्वारा आयोजित इस नृत्य कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों में अग्रिम भूमिका निभाने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जज की भूमिका के तौर पर राइजिंग चाइल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य सीमा श्रीवास्तव और प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव थे। इस मौके पर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने कहा की पूर्व में हमारी संस्कृति का एक हिस्सा गरबा नृत्य के विशेष क्षेत्र में सिमटा हुआ था लेकिन अब यह उत्तर प्रदेश और आज सभी जिलों में गरबा नृत्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के छोटे–छोटे कार्यक्रम होना आवश्यक है। जिससे कि यही कार्यक्रम आने वाले समय में बड़े रूप कार्यक्रम के तौर पर सामने आते हैं। राइजिंग चाइल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य सीमा श्रीवास्तव ने कहा की नवरात्रि पर महिलाओ में एक अलग ही शक्ति और उत्साह देखने को मिलता है और सदियों से गरबा नृत्य नवरात्रि पर महिलाएं करके अपनी खुशी का इजहार करती है। उन्होंने संस्था अध्यक्ष विमलेश मिश्रा का भी धन्यवाद दिया की सभी महिलाओ को एक मंच पर एकत्र करके उनके उत्साह को दुगुना कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने खुशी सेवा संस्थान की संस्थापक और अध्यक्ष विमलेश मिश्रा की मुक्त कंठ से सराहना की । इस गरबा नृत्य में यूट्यूबर श्रष्टि आयुष , , मैत्रि शर्मा, पूजा मल्होत्रा, आमना हसन ,प्रीती वर्मा, भावना अग्निहोत्री, पिंकी राज्यपाल, रश्मि त्रिवेदी, ममता घोष, रीता वर्मा, रेखा सिंह चौहान, धु्रवी श्रीवास्तव, आर्ची तिवारी ,रेनू सिंह,रत्ना, ममता ,दीपिका चौधरी, जया अवस्थी, शोभा शर्मा, रंजना गुप्ता, पल्लवी त्रिवेदी, पूनम शुक्ला, नेहा तिवारी आदि महिलाओ ने हिस्सा लिया ।

लखीमपुर खीरी में दशहरा महोत्सव का भव्य शुभारंभ

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर–खीरी (संज्ञान दृष्टि)। सउच मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. ईरा श्रीवास्तव के साथ मिलकर जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक दशहरा मेले का विधिपूर्वक पूजन अर्चन एवं दीप जलाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर रामायण संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत भी हुई।

डीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह दशहरा मेला खीरी का ऐतिहासिक मेला है, जो पिछले कई दशकों से आयोजित हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह मेला सामाजिक एकता और अखंडता का प्रतीक है, जहां विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग एक साथ मिलकर आनंद लेते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय संस्कृति के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और समाज में एकता, समरसता और बंधुत्व को बढ़ावा देते हैं।

डीएम ने मेले में उपस्थित नगरवासियों का स्वागत करते हुए कहा कि मेले का आयोजन सफल बनाने के लिए एसडीएम, तहसीलदार और ईओ ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मेले में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया, जो 15 दिन तक चलेंगे।

चाक–चौबंद व्यवस्थाओं का दिया निर्देश–डीएम ने मेले में चाक–चौबंद व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए ईओ को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें विश्वास है कि पुलिस किसी भी असुविधा से निपटने में सक्षम होगी। डीएम ने मेले में विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था और साफ–सफाई की सुनिश्चितता के लिए भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. ईरा श्रीवास्तव ने जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन समारोह में एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह, तहसीलदार सुशील प्रताप सिंह, सीओ रमेश कुमार तिवारी, मेला अधिकारी अमरदीप मौर्य, और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'दशहरा महोत्सव का कार्यक्रम विवरण:'–

– '15 अक्टूबर:' रामायण संगोष्ठी (स्थानीय)
– '16 अक्टूबर:' रामायण संगोष्ठी (आमंत्रित)
– '17 अक्टूबर:' देवी जागरण
– '18 अक्टूबर:' संस्कृत कवि सम्मेलन
– '19 अक्टूबर:' स्कूली बच्चों द्वारा कार्यक्रम
– '20 अक्टूबर:' जवाबी कव्वाली
– '21 अक्टूबर:' पंजाबी संगीत सम्मेलन
– '22 अक्टूबर:' स्थानीय संगीत सम्मेलन
– '23 अक्टूबर:' प्रादेशिक कवि सम्मेलन
– '24 अक्टूबर:' अवध संध्या
– '25 अक्टूबर:' भोजपुरी संगीत सम्मेलन
– '26 अक्टूबर:' मुशायरा
– '27 अक्टूबर:' अखिल भारतीय कवि सम्मेलन
– '28 अक्टूबर:' आमंत्रित कलाकारों द्वारा संगीत
– '29 अक्टूबर:' अतिशबाजीध्समापन

दशहरा महोत्सव 15 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 29 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

अमेठी सांसद के जन्मदिन पर अंबिकेश ने पेंसिल से चित्र बनाकर दी अनोखी बधाई

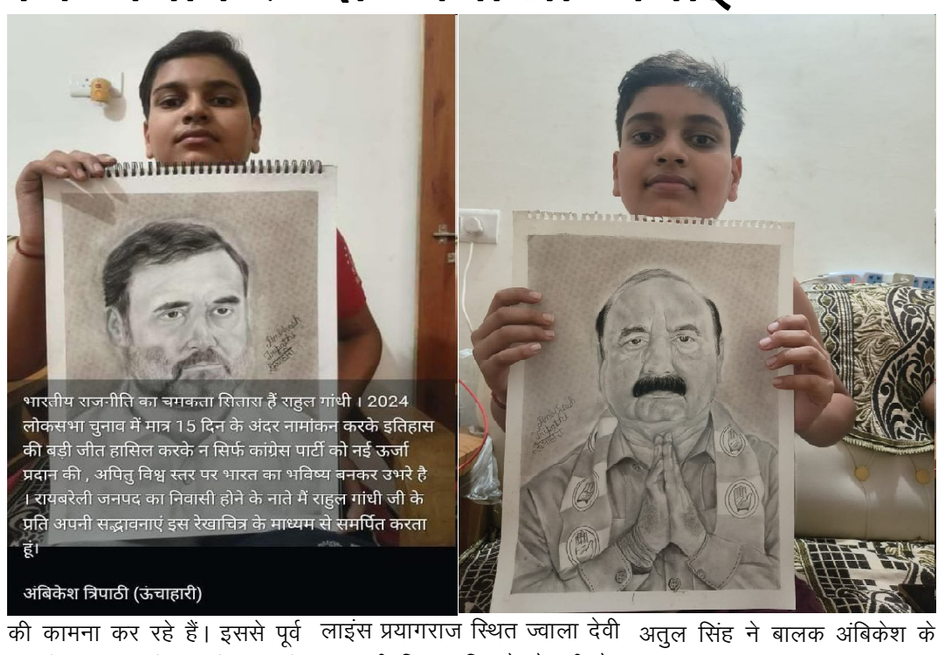

मुकेश शर्मा

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। जिले के ऊंचाहार क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी दीपक त्रिपाठी पत्नी काव्या त्रिपाठी के घर जन्मे बालक अंबिकेश ने एक बार फिर अपनी बेहतरीन चित्रकला का परिचय दिया है।

बता दें कि बालक अंबिकेश ने कागज पर पेंसिल के द्वारा अपने नन्हें हाथों से अब तक सैकड़ों चित्र बनाया है। जिनमें देवी देवताओं , अभिनेता ,गायक गायिका, राजनेता , समाजसेवी और पत्रकारों के हुबहू आकृति वाले चित्र शामिल हैं। बीती रविवार को कांग्रेस पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता एवं अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा का जन्मदिन था ,जिसे उनके शुभचिंतकों , कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। साथ ही राजनेताओं ने भी उन्हें बधाई दी। अमेठी सांसद के जन्मदिन के मौके पर बालक अंबिकेश त्रिपाठी ने भी अपने नन्हें हाथों से किशोरी लाल शर्मा के छायाचित्र बनाकर अनोखे रूप में बधाई दी है जिसकी चहुंओर सराहना हो रही और कांग्रेस कार्यकर्ता भी बालक अंबिकेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। इससे पूर्व अंबिकेश त्रिपाठी ने रायबरेली जिले के सांसद राहुल गांधी की भी छायचित्र अपने हाथों से कागज पर बनाई है।

गौरतलब है कि बालक अंबिकेश की उम्र अभी लगभग 9 वर्ष की है, उनकी मां एक गृहणी है और पिता चिकित्सक। बालक अंबिकेश के पिता दीपक त्रिपाठी ने बताया कि अंबिकेश की प्रारंभिक शिक्षा सिविल लाइंस प्रयागराज स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर में हो रही है। बालक की माता ने कहा कि अंबिकेश एक तरफ अपनी चित्रकारी की कला में माहिर होने के साथ–साथ शिक्षा अध्ययन में भी अधिक रुचि रखता है और परीक्षा में उत्तम अंक प्राप्त करता है। बालक में चित्रकारी की प्रतिभा को देखकर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव एवं पूर्व विधानसभा ऊंचाहार प्रत्याशी अतुल सिंह ने बालक अंबिकेश के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी है। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष रायबरेली पंकज तिवारी ने भी बालक अंबिकेश त्रिपाठी चित्रकारी की सराहना की है और कहा कि जब भी समय मिलेगा हम इस प्रतिभावान बालक से जरूर मिलेंगे और उसका उत्साहवर्धन करेंगे।

जल्द मेला लगवाने में जुटी नगरपालिका

लखीमपुर खीरी। आपसी विवाद में शहर के ऐतिहासिक रामलीला मेला को लटकाने वाले नगरपालिका के जिम्मेदार अब इसे जल्द से जल्द शुरू कराने में जुटे हैं। मेला मैदान में दुकानें लगवाने को नगरपालिका और प्रशासनिक अफसरों ने रात–दिन एक कर दिया है। रविवार की रात भर एसडीएम और नगरपालिका के जिम्मेदार दुकानदारों से जल्द दुकानें लगाने की बात कहते रहे।

शहर के मेला मैदान में सोमवार को अधिकांश दुकानें लग गईं। शाम के समय मेले में चहल–पहल भी दिखी। नगरपालिका और ट्रस्ट के विवाद में यह मेला अपने समय से करीब सात दिन बाद शुरू हो रहा है। पूर्व के वर्षों में दशहरे के दिन इस मेले में लाखों लोगों की भीड़ जुटती थी। बड़े स्तर पर खरीदारी की जाती थी। इस बार मेला शुरू से ही नगरपालिका और ट्रस्ट के विवाद में फंस गई।

दुकानदारों ने ट्रस्ट से रसीद कटवा ली तो नगरपालिका ने दोबारा रसीद कटवाने का दबाव बनाया और जमीन का आवंटन नहीं किया। सामान लेकर आए दुकानदार सात दिनों तक मैदान में ही पड़े रहे। दुकानदारों का दर्द जब खबरों की सुर्खियां बना तो प्रशासन हरकत में आया। रविवार को नगरपालिका और प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले का निस्तारण कराया और दुकानें लगनी शुरू हुईं। एक हजार रुपये की रसीदें काटी गई हैं।

मेला सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध नगरपालिका–मेले को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष और ईओ की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से नगरपालिका मेले को सकुशल संपन्न कराने को प्रतिबद्ध है। जनमानस से अपेक्षा है कि किसी के बहकावे में न आएं।

निजाम अख्तर बने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद पाठ्यकर्म समिति के सदस्य

विशाल अग्रवाल

उधम सिंह नगर/केलाखेड़ा (संज्ञान दृष्टि)। आज केलाखेड़ा निजाम अख्तर को उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद पाठ्यकर्म समिति का सदस्य घोषित होने पर निजाम अख्तर को अजय कालड़ा के प्रतिष्ठान पर सम्मानित किया गया। अख्तर ने कहा की हमारी समिति का सर्वप्रथम कार्य सभी मदरसों मे नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग (छब्त्ज्) पाठ्यक्रम को लागु करना एवं मदरसों की शिक्षा व्यबस्था को आधुनिक बनाना हैं।

इस मौके पर निजाम अख्तर, मो उस्मान अल्वी,डी. एल. शर्मा,असीम छाबडा, अजय कालरा, बबलू मेहर, शिवम् गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, सौरभ कालरा आदि लोग उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

विशाल अग्रवाल

उधम सिंह नगर/केलाखेड़ा (संज्ञान दृष्टि)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के जनपद मे नशे के बिरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना अध्यक्ष के नेतृत्व मे अभियुक्त गुरमीत सिंह विजय रमपुरा निवासी को एक टायर ट्यूब मे 25 लीटर कच्ची शराब के साथ बेरिया दौलत चौकी इंचार्ज ने गिरफ्तार किया। गुरमीत सिंह पर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार करने बाली टीम मे बेरिया दौलत चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह मेहता कांस्टेबल जगदीश सिंह नागेंद्र राठी सम्मलित रहे।

नवरात्रनिमित्त कमळेश्वर संस्थानच्यावतिने महाप्रसाद

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ महागांव पुसनदीच्या तीरावर वसलेले महागांव येथील कमळेश्वर मंदिर असंख्य भक्तांचे श्रद्धास्थान आहे. दर वर्षी प्रमाणे याही वर्षी कमळेश्वर संस्थान महागांवाच्यावतीने नवरात्र निमित्त मंगळवारी (ता.१५) रोजी दुपारी दोन ते सहा वाजेपर्यंत महाप्रसाद स्वरूची भोजनाचे आयोजन केले होते. कमळेश्वर संस्थानाने मागील एका दशकापासून ही अविरत प्रथा सुरु केली असून हजारो भाविक भक्तांनी व शहरातील नागरिकांनी आवर्जून उपस्थित राहुन महाप्रसादाचा लाभ घेतला आहे.